सांध्य दैनिक
# 4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 8 ● अंक: 323 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 3 जनवरी, 2023
मूल्य ₹ 3/-

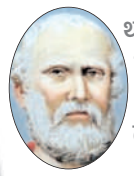

थोड़ा सा जो अच्छे से किया जाए वो बेहतर है, बजाय बहुत कुछ अपूर्णता से करने से।

-प्लेटो

दंगों के बल पर चुनाव जीतना चाहती... 8 | राजधानी में छत के साय से भी... 3 | 50 नई लो फ्लोर बसों को हरी... 7

## राहुल की यात्रा का उत्तर प्रदेश में प्रवेश

# भारत जोड़ो में जुटा हुजूम भाजपा की बढ़ गई बेचैनी

## प्रियंका ने कहा-योद्धा है मेरा भाई

» अडानी-अंबानी ने बड़े-बड़े नेता खरीदे पर राहुल गांधी को नहीं खरीद पाए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयंत चौधरी का दल रालोद बागपत-शामली में करेगा यात्रा का स्वागत

लखनऊ। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा आज यूपी में प्रवेश कर गई। गाजियाबाद के लोनी बॉर्डर पर बने मंच पर राहुल गांधी और प्रियंका एक साथ नजर आए। प्रियंका के कंधे पर हाथ रखकर राहुल आगे बढ़ते दिखे। वहीं, राहुल की यात्रा में उमड़े हुजूम ने भाजपा की बेचैनी को बढ़ा दिया है। मंगलवार को द्वितीय चरण में यात्रा का दिल्ली के यमुना बाजार से प्रारंभ हुआ। प्रथम चरण में दिल्ली पहुंचने के बाद यात्रा को 9 दिन के लिए रोका गया था।

मंच से अपने संबोधन में प्रियंका गांधी ने भाई राहुल को योद्धा बताया। उन्होंने कहा, मुझे अपने बड़े भाई पर सबसे ज्यादा गर्व है। सत्ता का पूरा जोर लगाया गया। सरकार ने हजारों करोड़ रुपए खर्च किए, इनकी छवि को खराब करने के लिए, लेकिन ये डरे नहीं। इन पर एजेंसी लगाईं गईं। कहा कि अडानी-अंबानी ने बड़े-बड़े नेता खरीद लिए। देश के सभी पीएसयू खरीद लिए। देश की मीडिया खरीद ली। लेकिन मेरे भाई को नहीं खरीद पाए। न खरीद पाएंगे। प्रियंका ने आगे कहा कि कोई मुझसे पूछ रहा था कि आपके भाई को ठंड नहीं लगती। आपको डर नहीं लगता, इनकी सुरक्षा के लिए। मेरा जवाब ये है कि ये सत्य का कवच पहनकर चल रहे हैं। भगवान इनको सुरक्षित रखेगा। सब साथ चलिए। एकता, संभावना, प्यार का पैगाम लेकर चलिए। इसके बाद दोनों ने लोगों का अभिवादन किया। राष्ट्रीय लोकदल ने यात्रा के बागपत और शामली में स्वागत की बात कही है।

## यूपी में 130 किमी पैदल चलेंगे राहुल

राहुल गांधी ने आज यात्रा शुरू करने से पहले दिल्ली में मरघट वाले हनुमान मंदिर के दर्शन किए। इस दौरान पुजारी ने उनको गदा दी। वहीं, गाजियाबाद के लोनी बॉर्डर से प्रियंका गांधी यात्रा में शामिल हुईं। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस नेता राहुल गांधी 3 दिन में करीब 130 किलोमीटर पैदल चलेंगे। यहां पूर्व मंत्री राशिद अल्वी ने कहा कि भाजपा सरकार नफरत की आंधी है। साध्वी प्रज्ञा घरों में छुरी तेज करने के लिए बोलती हैं। कभी बुलडोजर ठीक कराने तो कभी पाकिस्तान भेजने की बात करते हैं। क्या देश के यही मुद्दे हैं ? आप रोजगार, नौजवानों, किसानों की बात नहीं करते।

# महज 90 सेंकेड में रखी अपनी बात और सवालों से भागी दिल्ली पुलिस

## पुलिस का दावा सामने आए नए वीडियो में मृतका के साथ स्कूटी पर दिख रही है उसकी सहेली

» परिजनों ने पुलिस की नई थ्योरी पर जताया संदेह, कहा-दोस्त ने पुलिस को क्यों नहीं दी सूचना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के सनसनीखेज कंझावला कांड पर आज पुलिस ने प्रेस वार्ता बुलाई। कार से लड़की की टक्कर और फिर करीब 12 किमी तक घसीटे जाने के मामले में कई सवाल खड़े हो रहे हैं लेकिन दिल्ली पुलिस के अधिकारी महज 90 सेंकेड में अपनी बात कहकर चलते बन गए। पुलिस मुख्यालय में हुई प्रेस वार्ता में एक अधिकारी ने बताया कि सुल्तानपुरी की घटना में नया तथ्य हमारे सामने आया है। जिस समय घटना हुई, मृतका के साथ एक और लड़की थी। उसे कोई चोट नहीं आई और वह घटना के बाद वहां से उठकर चली गई थी।

पुलिस अधिकारी ने कहा, इस मामले में अब हमारे पास घटना की प्रत्यक्षदर्शी है और वह पुलिस के साथ सहयोग कर रही है। उसका बयान दर्ज किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आरोपियों को सजा दिलाने में यह महत्वपूर्ण साबित होगा। जांच अभी जारी है और शुरुआती चरण में है। उन्होंने कहा कि जल्द ही दिल्ली पुलिस जांच पूरा कर लेगी और अपराधियों को सजा दिलवाई जाएगी। यहां मौजूद पत्रकार सवाल पूछने के लिए चिल्लाते रहे लेकिन दिल्ली पुलिस के अधिकारी ने उनके सवालों को अनसुना कर दिया। हालांकि परिवार ने पुलिस के इस नए एंगल पर संदेह जताया है। परिजनों का कहना है कि अगर उसकी दोस्त साथ थी तो उसने हादसे की जानकारी पुलिस को क्यों नहीं दी?

### मैनेजर ने सहेली के साथ की कही बात

नए साल पर रात के एक बजे का सीसीटीवी फुटेज मिला है, जिसके आधार पर पुलिस की ओर से दावा किया जा रहा है कि एक्सीडेंट के समय उसकी दोस्त भी थी जो घायल हुई। वीडियो में दिखाई देता है कि लड़की स्कूटी निकालती है और साथ चल रही लड़की उसके पीछे बैठ जाती है और वे चल देते हैं। जहां से पीड़िता और उसकी दोस्त निकले थे, उस होटल के मैनेजर ने दावा किया है। होटल मैनेजर का कहना है कि वो दोनों बहस कर रही थी तब नाइट वाले मैनेजर ने उनको कहा कि लड़े मत फिर वे नीचे जाकर लड़ने लगीं। नीचे जब वे लड़ रही थीं तो आस-पड़ोस वालों ने भी उन्हें रोका। इसके बाद वे स्कूटी पर बैठकर चली गईं।

### सीट पर नहीं टायर पर खून के निशान

उधर, फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी के सूत्रों ने दावा किया है कि बनेलो कार की जांच करने के बाद अंदर या सीटों पर खून के धब्बे नहीं मिले। सूत्रों ने कहा कि एफएसएल ने कार के टायर पर ही खून के निशान पाए हैं, जो इंगित करता है कि पीड़ित कार के अंदर नहीं थी। एफएसएल टीम ने घटनास्थल का भी मुआयना किया, जहां युवती का शव मिला था और मौके से नमूने लिए। स्पेशल सीपी शालिनी सिंह ने भी 12 किमी तक उस रोड का जायजा लिया है जिस रास्ते पर लड़की को कार घसीटते हुए ले गई।

# सिर्फ पिछड़ों का वोट लेना जानती है भाजपा : अखिलेश

**» बोले-सम्मान के नाम पर देती है धोखा**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**मैनपुरी। निकाय चुनाव में ओबीसी आरक्षण पर हाईकोर्ट के फैसले के बाद सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव लगातार प्रदेश की भाजपा सरकार पर हमलावर हैं। इस बीच परिवार समेत मैनपुरी पहुंचे सपा प्रमुख ने एक बार फिर भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा में जाने वाले पिछड़े नेताओं की आत्मा मर जाती है। भाजपा केवल पिछड़ों का वोट लेना जानती है, लेकिन जब सम्मान की बात आती है तो भाजपा केवल धोखा देती है।**

पत्नी डिंपल यादव और बेटी के साथ मैनपुरी पहुंचे अखिलेश ने प्रदेश सरकार पर पिछड़ों का हक छीनने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद भी सरकार ने अवमानना करते हुए निकाय चुनाव कराने का प्रयास किया। आगे भाजपा सरकार दलितों का भी आरक्षण छीनने का काम करेगी। उन्होंने कहा कि जनता देख रही है कि सबसे बड़े तकनीकी विश्वविद्यालय में वाइस चांसलर की नियुक्ति किसे मिली। इसके साथ ही उन्होंने इसी विश्वविद्यालयों में निदेशकों की नियुक्ति पर भी भाजपा सरकार का घेराव किया। वहीं उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के बयान पर पलटवार करते हुए उन्होंने कहा कि हम तो चाहते हैं कि पिछड़ी जाति का मुख्यमंत्री बने। अपने एक पुराने बयान को दोहराते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि उपमुख्यमंत्री अपने साथ सौ विधायक ले आएं, हम उन्हें समर्थन देकर मुख्यमंत्री बना देंगे। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछड़ों का सम्मान केवल सपा में ही सुरक्षित है। अगर पिछड़ों के साथ खिलवाड़ हुआ, तो समाजवादी पार्टी उनकी हक की लड़ाई लड़ने का काम करेगी। इस दौरान उनके साथ सांसद डिंपल यादव, पूर्व सांसद तेजप्रताप यादव, बेटी अदिति यादव आदि मौजूद रहे।

### आलू चाट का लिया स्वाद

परिवार साथ पहुंचे अखिलेश यादव ने यहां शहर के एक चर्चित रेस्टोरेंट पर पकवानों का स्वाद लिया। अखिलेश यादव ने जहां चाट का स्वाद लिया तो वहीं उनकी पत्नी और मैनपुरी से सांसद डिंपल यादव ने गाजर का हलवा चखा। उन्होंने दोनों ही चीजों की जमकर तारीफ की। नेताजी के निधन के बाद हुए लोकसभा उपचुनाव से ही सपा अध्यक्ष का मैनपुरी के प्रति जुड़ाव बढ़ा है। उपचुनाव से लेकर अब तक लगभग डेढ़ महीने में अखिलेश 20 बार मैनपुरी आ चुके हैं।

# अयोध्या के मुख्य पुजारी का आशीर्वाद, राहुल गांधी पर बनी रहे राम की कृपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**अयोध्या। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा आज से उत्तर प्रदेश में प्रवेश कर रही है। अखिलेश यादव और मायावती के राहुल को यात्रा के लिए शुभकामनाएं देने के बाद अब अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर के मुख्य पुजारी ने भी यात्रा की सफलता के लिए राहुल गांधी पर भगवान श्रीराम की कृपा की कामना की। राम जन्मभूमि मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास राहुल गांधी को भेजे एक पत्र में कांग्रेस की 'भारत जोड़ो यात्रा' के माध्यम से देश को एकजुट करने के कदम के लिए अपना समर्थन दिया।**

सत्येंद्र दास ने राहुल गांधी को लिखा कि मैं आशा करता हूं और प्रार्थना करता हूं कि जिस मिशन के लिए आप लड़ रहे हैं, वह सफल हो, मैं आपको आपके लंबे जीवन का आशीर्वाद देता हूं। मुख्य पुजारी ने कहा कि आप लोगों के हित में और लोगों की खुशी के लिए 'सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय' के लिए काम कर रहे हैं। मैं भगवान राम की कृपा आप पर हमेशा बनाए रखना चाहता हूं।

# सशक्त मंडल-बूथ को आधार बनाकर कार्य करें: बीएल संतोष

**» भाजपा महामंत्री ने दिया कार्यकर्ताओं को जीत का मंत्र**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) बीएल संतोष ने प्रदेश इकाई के पदाधिकारियों को आने वाले चुनावों में जीत का मंत्र दिया। उन्होंने कार्यकर्ताओं को कहा कि सशक्त मंडल-सशक्त बूथ को आधार बनाकर पार्टी के विस्तार का कार्य निरंतर करते रहना है। दो दिवसीय संगठनात्मक प्रवास पर लखनऊ पहुंचे संतोष ने भाजपा प्रदेश मुख्यालय में बैठक की।**

इसमें उन्हों ने पार्टी के प्रदेश पदाधिकारियों, क्षेत्रीय अध्यक्षों और जिलाध्यक्ष एवं जिला प्रभारियों से चर्चा की। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष ने संगठन में आंशिक बदलाव की सहमति दी है। जल्द ही यूपी संगठन में बदलाव किए जाएंगे। बैठक को संबोधित करते हुए संतोष ने कहा कि प्रदेश में होने वाले विधान परिषद के चुनाव और नगर निकायों के चुनावों में पार्टी की विजय सुनिश्चित करने के संकल्प के साथ कार्य करना है। उन्होंने कहा कि हमारा दल सर्वव्यापी, सर्वस्पर्शी, सर्वसमावेशी, सर्वग्राही है। केन्द्र और राज्य में हमारी सरकार है।

# लोगों को धार्मिक आधार पर बांटती है बीजेपी की विचारधारा: ममता बनर्जी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा और दावा किया कि भगवा पार्टी की विचारधारा लोगों के बीच धर्म के आधार पर भेद करती है। बनर्जी ने वाम दलों और भाजपा के बीच कथित गुपचुप गठजोड़ को लेकर दोनों पर निशाना साधा और उनपर 'राम-वाम' (भाजपा-वाम) गठबंधन बनाने का आरोप भी लगाया।**

बनर्जी ने पार्टी के एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कार्यकर्ताओं और नेताओं को कहा कि उन्हें लोगों तक पहुंचकर विपक्षी दलों द्वारा टीएमसी के खिलाफ फैलाई गई अफवाहों का मुकाबला करना है। प्रख्यात स्वतंत्रता सेनानी व कवि काजी नजरुल इस्लाम के नाम पर रखे गए 'नजरुल मंच' में आयोजित पार्टी के कार्यक्रम में बनर्जी ने कहा कि हम एक समावेशी विचारधारा के अनुयायी हैं। हमें सभी को साथ लेकर चलने की जरूरत है। भाजपा की विचारधारा लोगों के बीच धार्मिक आधार पर भेद करती है। आपको विनम्रतापूर्वक लोगों की बात सुननी होगी। उन्होंने कहा कि अराजक तत्वों को उखाड़ फेंकने के लिए पार्टी स्तर पर एक उचित सतर्कता प्रणाली स्थापित की जाएगी।

### जनता को 'राम-वाम' के नाम पर बरगला रहीं ममता : चक्रवर्ती

**कोलकाता।** मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के राम-वाम के राज्य में एक साथ आने के दावे को खारिज करते हुए कहा कि तृणमूल कांग्रेस चीफ ऐसे आरोप लगाकर लोगों को भ्रमित करने की कोशिश कर रही हैं। माकपा केंद्रीय समिति के सदस्य सुजान चक्रवर्ती ने दावा किया कि राजनीतिक रूप से बीजेपी की मदद करने के लिए ममता बनर्जी ने भगवा पार्टी और वाम दलों के बीच गुप्त समझौता होने की टिप्पणी की। ममता बनर्जी द्वारा इस साल राज्य में होने वाले पंचायत चुनाव से पहले किए गए दावे के बारे में सुजान चक्रवर्ती ने कहा कि यह कुछ नहीं बल्कि लोगों को भ्रमित करने की चाल है। सुजान चक्रवर्ती ने दावा किया कि ममता बनर्जी राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) की तरफ से ऐसे दावे कर रही हैं।

# अपने मकसद में पूरी तरह फेल रही नोटबंदी : कपिल सिब्बल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 2016 में भाजपा सरकार द्वारा की गई नोटबंदी के फैसले को उचित ठहराया और उसमें किसी भी तरह की कोई गड़बड़ी होने से साफ इनकार किया। अब कोर्ट का फैसला आने के बाद विपक्षी दल के नेता इस पर सवाल उठा रहे हैं। कांग्रेस के पूर्व नेता व सुप्रीम कोर्ट में वकील रहे कपिल सिब्बल ने सरकार पर निशाना साधा। कपिल सिब्बल ने ट्वीट कर लिखा कि नोटबंदी की प्रक्रिया का सुप्रीम कोर्ट के अधिकांश सदस्यों ने समर्थन किया।**

नोटबंदी लागू करने का मकसद था-काले धन पर लगाम लगाना, टैक्सीस चोरी को कम करना, नकली नोटों का चलन बंद करना, आतंकवाद पर अंकुश लगाना और भ्रष्टाचार की समस्याओं से निपटना। मगर, सब फेल रहा, किसे माफी मांगनी चाहिए? नोटबंदी को लेकर कपिल सिब्बल ने बीजेपी सरकार को पहले भी घेरा। सिब्बल का आरोप है कि सरकार ने नोटबंदी से सुधार के नाम पर देश के लिए बड़ी मुसीबतें पैदा कर दी थीं। सिब्बल के मुताबिक, नोटबंदी गैरजरूरी थी, मोदी ने यह फैसला लेकर अच्छा नहीं किया। सुधारों का जो दावा वे (नरेंद्र मोदी) कर रहे थे, वैसा कुछ हो नहीं पाया।

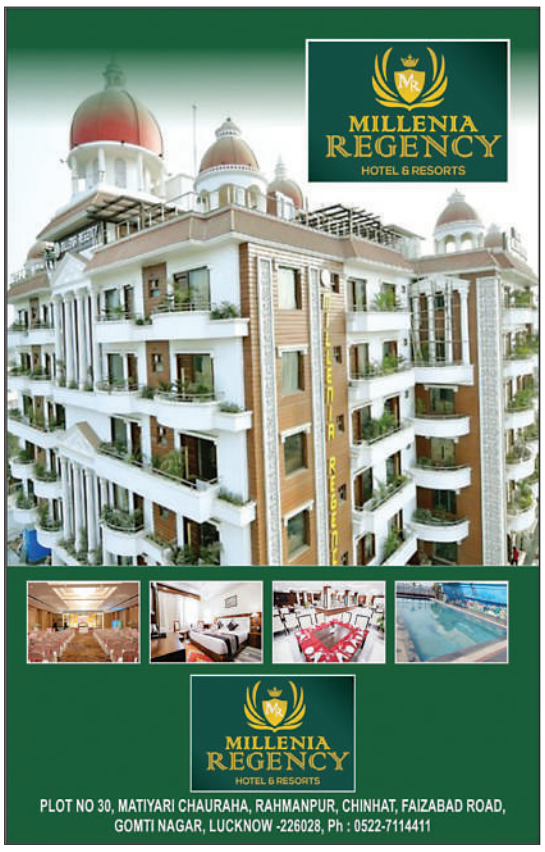

## राम लीला मैदान

# राजधानी में छत के साये से भी महरूम हैं सैकड़ों परिवार

- सरकारें सिर्फ गरीब का वोट चाहती हैं लेकिन उनके लिए कुछ करना नहीं चाहतीं
- हमेशा गरीब तबका ही सरकारों की अनदेखी का शिकार बनता आया है

हयात अब्बास

## पार्क बन गया पर गरीबों को घर का वादा आज भी अधूरा, सरकारों ने नहीं पोछे आंसू

लखनऊ। 2009 में तोड़ा गया आशियाना और उम्मीदों का घर, जो 2023 में अपने वादों के पूरे होने का सपना देख रहे हैं। लखनऊ के राम लीला मैदान में सैकड़ों परिवार ऐसे हैं जो खुले मैदान में अपना जीवन गुजारने को मजबूर हैं। उत्तर प्रदेश में जो भी सरकार आती वो सबसे पहले यही दावा करती है कि पहले वो गरीबों की गरीबी दूर करेगी लेकिन सत्ता में आने के बाद उनको गरीब दूर-दूर तक नजर ही नहीं आते हैं। सरकारें सिर्फ गरीब का वोट चाहती हैं लेकिन उनके लिए कुछ करना नहीं चाहतीं। हमेशा गरीब तबका ही सरकारों की अनदेखी का शिकार बनता आया है। सरकार के सारे दावे धरे के धरे रह जाते हैं।

लखनऊ के राम लीला मैदान में सैकड़ों परिवार बिना छत के अपना जीवन गुजार रहे हैं। इनके लिए न तो पीने का साफ पानी है और न ही शौचालय का कोई प्रबंध है। छोटे छोटे बच्चे कूड़े से भरे मैदान में यूंही जिन्दगी गुजार रहे हैं। इनके लिए शिक्षा का कोई इंतजाम नहीं है। इसी बस्ती की एक निवासी फरहा बानो बताती हैं कि कभी उनके इसी मैदान में घर हुआ करते थे। बात 2009 की है। प्रदेश में बसपा की सरकार थी। उसी दौरान इनके बने बनाए घर तोड़ दिए गए थे और ये सैकड़ों परिवार इस तरह सड़क पर रहने को मजबूर हो गए। इन 13 सालों कितनी सरकारें बदली लेकिन इनके हालात नहीं बदले। आज भी ये लोग सरकार से मदद की राह देख रहे हैं। इन लोगों का कहना है कि ये लोग डूडा ऑफिस भी गए लेकिन पैसे खर्च होने के बाद भी इनकी कोई सुनवाई नहीं हुई। इस मैदान में हर तरफ कूड़े के बड़े-बड़े ढेर लगे हैं लेकिन सफाई के लिए कोई कर्मचारी नहीं जाते हैं। अगर ये लोग खुद साफ सफाई करने के लिए कभी कूड़ा जलाते हैं, तो पुलिस इनको ऐसा करने से रोकती है। अगर बारिश के दिनों की बात करें तो यहां बाढ़ जैसे हालात बन जाते हैं। जिसके चलते ये लोग मैदान से रोड पर सोने को मजबूर हो जाते हैं।

### शैचालय तक नहीं मयस्सर

यूं तो सरकार दावे करती है कि उसने प्रदेश भर में कई शैचालय बनवाएं है। लेकिन इन लोगों के लिए दूर दूर तक शैचालय नहीं हैं । जिसके चलते इन लोगों को काफी दूर शैचालय के लिए जाना पड़ता है।

### लगे हैं कूड़े के ढेर, नहीं होती सफाई

उदयगंज का राम लीला मैदान बड़े-बड़े कूड़े के ढेरों से घिरा है। जिसके चलते आए दिन यहां पर लोग बीमार होते है। इस कूड़े को कोई भी कर्मचारी साफ नहीं करता है। झुग्गी में रहने वाले ये लोग जब खुद साफ करते हैं, तो पुलिस आकर मना करती है। दरअसल पुलिस का कहना है कि कूड़े जलने से आस-पास के लोगों को दिक्कत होती है। जिसके वजह से इन लोगों को अपना जीवन इस कूड़े के बीच ही गुजारना पड़ता है।

### तेरह बरस से कर रहे घरौंदे का इंतजार

बात 2009 की जब सैकड़ों परिवारों के सर से छत छिन गई। 13 साल हो गए लेकिन अभी भी ये परिवार सड़क पर रहने को मजबूर हैं। कितनी सरकारें बदलीं लेकिन इस तबके की किस्मत बदलने का नाम नहीं ले रही है। इन परिवारों ने कई बार सरकार से गुहार लगाई है। लेकिन आज तक इनके पास सरकार की कोई मदद नहीं पहुंची है।

### बारिश से बन जाते हैं बाढ़ जैसे हालात

इन परिवारों के लिए बारिश आफत से कम नहीं, बारिश में यहां बाढ़ जैसे हालात बन जाते हैं। इन लोगों को खाना बनाने में बहुत दिक्कत का सामना करना पड़ता है। यहां पानी के निकासी के लिए कोई भी प्रबंध नहीं है। ऐसे में बारिश में इन लोगों की मुश्किलें बढ़ जाती हैं। पीने वाले पानी की बात करें तो वो भी इनको काफी दूर से लाना पड़ता है।

### बर्बाद हो रहा बच्चों का बचपन

इस इलाके के छोटे-छोटे बच्चे दिन भर धूल मिट्टी में खेलते हैं। उनके लिए शिक्षा का कोई प्रबंध नहीं है। सरकारी स्कूल है भी तो अगर ये लोग बच्चों को दाखिला को ले जाते हैं तो इनसे ज्यादा पैसों की मांग की जाती है। जिसके कारण इन बच्चों का जीवन खराब हो रहा है। यही नहीं कोई एनजीओ भी इनकी खबर लेने नहीं जाते हैं।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

## जिद... सच की

# सरकार की निष्ठा पर सवाल

*राष्ट्रीय राजधानी में एक बार फिर निर्भया कांड को दोहराने की कोशिश की गई है। देश की बेटी के साथ दरिंदों ने दिल्ली की सड़कों पर जो नंगा नाच किया है वह शर्मसार करने वाला है। कोई भी सभ्य समाज ऐसी वारदात को सुनकर निश्चित ही सिहर उठेगा। मगर नए साल की पहली रात में हुई इस घटना में अब तक पुलिस ने जो लीपा-पोती की है उससे खाकी की कार्यप्रणाली तो सवालों के घेरे में आ ही गई है, सरकार की निष्ठा पर भी प्रश्नचिन्ह लगना लाजिमी है। मामला दिल्ली का है तो यहां की पुलिस गृह मंत्रालय के अधीन है। और इस मामले में केंद्र सरकार की अब तक चुप्पी भी उसकी नीयत पर संशय पैदा कर रही है। जिस पर विपक्ष का हमलावर होना नैतिकता के आधार गलत नहीं। पिछले कुछ सालों में देश में एक के बाद एक बेटियों के साथ यौन उत्पीड़न के कई बड़े प्रकरण सामने आए हैं। उसमें कहीं न कहीं सरकारों और उसके मातहत पुलिस की कारगुजारी संदिग्ध रही है। उत्तर प्रदेश में चाहे उन्नाव की बेटी का मामला रहा हो या फिर हाथरस में दलित लड़की के साथ हुए कांड से लेकर कश्मीर के कटुआ की बच्ची का प्रकरण। सभी में पुलिस की खाकी दागदार रही है और जिसके छींटे खुद को सफेदपोश कहने वाली सरकारों पर भी पड़े हैं। दिल्ली में 31 दिसंबर की रात्रि में हुई जघन्य वारदात में सरकार और पुलिस की सामने आई अब तक की भूमिका ने पिछले मामलों की याद को ताजा कर दिया है।*

*दरअसल, केंद्र सरकार की दिल्ली पुलिस तमाम अत्याधुनिक संसाधनों से लैस है और देश की सबसे हाईटेक मानी जाती है। मगर कुछ मामलों में उसकी कार्यशैली ऐसे रही है जिससे उसकी साख को बट्टा लगा है। ऐसे ही मामलों में अब बिटिया का यह नया मामला भी जुड़ गया है। वह भी तब जब पूरी राजधानी सड़कों से लेकर मॉल, रेस्टोरेंट और पिकनिक स्पॉट पर नववर्ष के आगमन का जश्न मना रही थी और पुलिस अलर्ट पर थी। उसी रात में कार सवार दरिंदों का एक बिटिया को सड़क पर कई किमी तक घसीटने जैसा कृत्य करना और उसमें सरकार और पुलिस का अपने कर्तव्य को सही ढंग से अंजाम न देना उनकी छवि को धूमिल कर रहा है। जबकि सरकार हो या दिल्ली पुलिस उसको निर्भया कांड से सीख लेते हुए इस मामले में कड़ी और निष्पक्ष कार्रवाई करनी चाहिए थी, जो शायद उसने अभी तक भी नहीं की है। शर्मनाक इस जघन्य घटना पर पक्ष हो या विपक्ष सभी को पीड़ित बेटी के परिवार के साथ खड़ा होकर उसको संबल देने की जरुरत है, मगर गृह मंत्रालय के इशारे पर पुलिस की लचर कार्रवाई इस मामले में कहीं न कहीं सरकार की मंशा पर सवाल खड़ा करा रही है। यही वजह है कि गृह मंत्रालय के मातहत आने वाली दिल्ली पुलिस की हीला-हवाली पर विपक्ष ने उपराज्यपाल को घेर लिया और सीधा केंद्र सरकार को इस मामले में निशाना पर लिया है। ऐसे में दिल्ली ही नहीं देश की सियासत का पारा गरमाना तो तय है।*

**बिना किसी दबाव और भेदभाव के अगर पुलिस ने समय रहते बिटिया के इस मामले में सही कार्रवाई कर दी होती तो शायद आज उसकी और सरकार की निष्ठा पर उठ रहे सवाल नहीं होते। इस तरह के प्रकरणों में सरकार हो या फिर पुलिस महकमा दोनों को खुले मन से अपने काम को सही ढंग और ईमानदारी से अंजाम देना होगा। ताकि उसकी छवि में सुधार होने के साथ-साथ जनता में उसका कम होता विश्वास भी पुनः लौट सके। अगर ऐसा करने में दोनों तंत्र नाकाम रहते हैं तो उनकी विफलता और गलती पर सवाल पूछने के अधिकार से किसी को वंचित नहीं किया जा सकता है, वह चाहे विपक्ष हो या फिर पीड़ित पक्ष।**

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

# निजी क्षेत्र में स्थानीय आरक्षण की तार्किकता

दिनेश भारद्वाज

राजनीतिक दल यह अच्छे से समझ चुके हैं कि 'युवा' हो रहे देश में युवाओं के साथ के बिना सत्ता मुश्किल है। तभी तो हरियाणा सहित छह राज्य ऐसे हैं, जिन्होंने युवाओं को लुभाने, रिझाने और मनाने के लिए प्राइवेट सेक्टर की नौकरियों में भी आरक्षण व्यवस्था लागू की है। यह बात अलग है कि अभी तक पूरी तरह किसी भी राज्य के युवाओं को यह अधिकार नहीं मिला है। हरियाणा के बाद अब झारखंड सरकार भी अगले साल जनवरी से प्राइवेट सेक्टर की 75 प्रतिशत नौकरियां स्थानीय युवाओं के लिए रिजर्व करने जा रही है।

वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव हरियाणा के लिए खास थे। भाजपा सत्ता में थी और मनोहर लाल के नेतृत्व में '75 प्लस' के नारे के साथ चुनाव लड़ा गया। पांच साल की एंटी-इन्कमबेंसी भी थी और भी दूसरे राजनीतिक कारण थे कि भाजपा चालीस का आंकड़ा मुश्किल से छू पाई। इनेलो से अलग होकर अस्तित्व में आई दुष्यंत चौटाला के नेतृत्व वाली जननायक जनता पार्टी (जजपा) ने इन चुनावों में ऐसा प्रदर्शन किया कि सत्ता की 'चाबी' उसके हाथों में आ गई। जजपा को 10 सीटों पर विधायक मिले। नब्बे हलकों वाली हरियाणा विधानसभा में भाजपा को दूसरी बार सत्तासीन होने के लिए छह विधायकों की जरूरत थी। ऐसे में उसे 10 विधायकों वाली जजपा का साथ मिला। जब दो दल मिलकर सरकार बनाएंगे तो लाजिमी है कि चुनावी मुद्दों पर भी सौदेबाजी हुई होगी। गठबंधन की सरकार में डिप्टी सीएम बने दुष्यंत सिंह चौटाला प्राइवेट सेक्टर की नौकरियों में मूल निवासी युवाओं को 75 प्रतिशत आरक्षण देने का अपनी पार्टी का चुनावी वादा पूरा करवाने में कामयाब रहे। हरियाणा विधानसभा ने 2020 में 'हरियाणा राज्य स्थानीय व्यक्ति रोजगार अधिनियम, 2020' करने के लिए विधेयक पारित किया। इसमें अड़चनें भी आईं, लेकिन दूर कर ली गई। पहले 50 हजार तक वेतन वाली नौकरियों में 75 प्रतिशत आरक्षण का निर्णय लिया था। स्थानीय कंपनियों व उद्यमियों की मांग और नाराजगी के बीच 50 की बजाय 30 हजार तक वेतन की नौकरियों में इस कानून को लागू करने की सहमति बनी। 15 जनवरी, 2021 से इसे राज्य में लागू करने का नोटिफिकेशन भी जारी हो गया। फरीदाबाद इंडस्ट्रियल एसोसिएशन व अन्य ने पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में सरकार के फैसले को चुनौती दी। दलील दी गई कि प्राइवेट सेक्टर में योग्यता और कौशल के आधार पर लोगों का चयन होता है। अगर सरकार

के दबाव में नौकरियां दी गई तो वे अपना व्यापार नहीं कर सकेंगे। हाईकोर्ट ने सरकार के फैसले पर रोक लगा दी। राज्य सरकार सुप्रीम कोर्ट पहुंची और सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट द्वारा लगाए गए स्टे को हटा दिया। हालांकि अंतिम फैसला हाईकोर्ट पर ही छोड़ दिया। इस बीच, रोजगार के लिए रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया जारी रखने की अनुमति सरकार को दे दी। बहरहाल, मामला हाईकोर्ट में ही लंबित है और प्रदेश के युवाओं को इंतजार है कि कब 75 प्रतिशत आरक्षण के तहत उन्हें स्थानीय कंपनियों व उद्योगों में रोजगार मिलेंगे। प्रदेश की उन सभी प्राइवेट कंपनियों, उद्योगों, ट्रस्ट आदि में यह फैसला लागू होना है, जहां स्टॉफ की संख्या 10 से अधिक है। बेशक, इस तरह के कानून संविधान की मूल भावना के खिलाफ ही माने जा रहे हैं। चूंकि संविधान में सभी को बराबरी का हक दिया हुआ है। हरियाणा के अलावा महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में भी इस तरह के कानून बने हुए हैं। विडंबना यह है कि इन राज्यों में या तो यह कानून सही से लागू नहीं हो पाया है या फिर कोर्ट-कचहरी के चक्कर में लटका हुआ है। बेशक, हरियाणा ने कोशिश की है कि कंपनियों पर फैसला थोपने की बजाय प्रदेश के युवाओं को इस योग्य बनाया जाए कि प्राइवेट सेक्टर के लोग उन्हें राजी-राजी अपने यहां रखें। इसके तहत युवाओं को स्किल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के तहत ट्रेनिंग भी देने की व्यवस्था शुरू की गई। मार्केट में डिमांड के हिसाब से युवाओं को तैयार किया जा रहा है ताकि प्राइवेट सेक्टर में जाने के बाद वे मार न खाएं। हरियाणा को लेकर प्राइवेट सेक्टर के लोगों के अनुभव बहुत अच्छे नहीं हैं। पूर्व में गुरुग्राम मारुति और होंडा सहित कई कंपनियों में बड़े विवाद हो चुके हैं। श्रमिकों के आंदोलन की वजह से कई दिन काम प्रभावित रहे हैं। शायद, ये विवाद भी प्राइवेट सेक्टर के लोगों द्वारा किए जा रहे विरोध का कारण हो सकते हैं। आमतौर पर किसी भी राज्य के उद्योगपति और कंपनियों के मालिक स्थानीय युवाओं की बजाय दूसरे राज्यों के लोगों को नौकरियों में तवज्जो देते हैं। स्थानीय होने के चलते यूनियन भी जल्दी बनती हैं और प्रभावी भी रहती हैं। बहरहाल, हरियाणा की गठबंधन सरकार का यह 'सपना' अभी अधूरा है। झारखंड की सरकार भी नये साल से इसे अपने यहां लागू तो करने जा रही है, लेकिन कितनी कामयाब होगी, इस पर संशय ही बना रहेगा।

# गंगा-जमुनी संस्कृति की ही बहे बयार

विश्वनाथ सचदेव

बचपन में, यानी स्कूल में पढ़ाई के दौरान एक प्रार्थना बोली जाती थी हमारे स्कूल में 'हे प्रभु, आनन्ददाता ज्ञान हमको दीजिए, शीघ्र सारे दुर्गुणों को दूर हमसे कीजिए...'। यह प्रार्थना सब बच्चे मिल कर करते थे। इनमें मेरा दोस्त मिर्जा भी शामिल था। उन्हीं स्कूली दिनों की बात है, स्काउट-शिविरों के दौरान सवेरे-सवेरे उठने के बाद हम प्रार्थना किया करते थे, जिसमें इस आनन्ददाता वाली प्रार्थना के साथ चार पंक्तियों की एक अंग्रेज़ी प्रार्थना भी होती थी, जिसमें कहा गया था 'थैंक यू गॉड फॉर एवरी थिंग।' यह 'अधिकृत' प्रार्थना थी या नहीं, मैं नहीं जानता, पर इतना जरूर जानता हूं कि गॉड को शुक्रिया कहने वाली यह बात हमारे स्काउट-टीचर को बहुत अच्छी लगी थी।

स्कूली-प्रार्थना वाली ये बातें आज अखबार में एक समाचार पढ़ के अचानक याद आ गयीं। समाचार उत्तर प्रदेश के बरेली जिले के एक गांव फरीदपुर के सरकारी स्कूल से जुड़ा है। खबर के अनुसार रोज़ सवेरे स्कूल में होने वाली प्रार्थना 'इतनी शक्ति हमें देना दाता...' के स्थान पर एक दिन किसी अध्यापक ने 'सारे जहां से अच्छा हिंदोस्तां हमारा' के रचयिता अल्लामा इकबाल की लिखी प्रार्थना करवा दी। पता नहीं क्यों और कैसे किसी की भावनाएं आहत हो गयीं और उसने संबंधित अधिकारियों को शिकायत कर दी। शिकायत को सुना ही नहीं गया, उस पर तत्काल कार्रवाई भी हुई और स्कूल के शिक्षा मित्र और प्रधानाध्यापिका को तत्काल सज़ा भी दे दी गयी। अब वह शिक्षामित्र हैं और स्कूल की प्रधान अध्यापिका निलंबित हैं! सोशल मीडिया के इस युग में यह बात उस गांव तक ही सीमित कैसे रहती। बात फैल गयी। हिंदू-मुस्लिम की बातें होने लगी हैं। इकबाल की लिखी प्रार्थना के 'अल्लाह' का विरोध हो रहा है! षड्यंत्र की बू आ रही है कुछ लोगों को इस प्रार्थना को गवाये जाने में! प्रभु की जगह अल्लाह से कुछ मांगना कुछ लोगों को गवारा नहीं है!

और मैं सोच रहा हूं, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने क्या सोचकर 'ईश्वर अल्लाह तेरो नाम...' को एक मंत्र की तरह स्वीकार किया था? गांधीजी के आश्रम में सवेरे-सवेरे होने वाली प्रार्थना-सभा में गीता भी पढ़ी जाती थी, कुरान भी, बाइबिल भी... कभी किसी ने इसका विरोध नहीं किया। गांधीजी कहा करते थे, बात तो उस शक्ति को पुकारने की है जिसने यह विश्व रचा है। आप उसे गॉड कह लो, या ईश्वर या अल्लाह, क्या फर्क पड़ता है। लेकिन फर्क पड़ रहा है कुछ लोगों को इसमें। ऐसे लोगों का मानना है कि 'ईश्वर ही है तेरा नाम...' ईश्वर को किसी और नाम से याद करने में इन्हें षड्यंत्र दिखता है। आइए, जरा देखें अल्लामा इकबाल द्वारा रचित पंक्तियों में कहा क्या गया है। उर्दू में लिखी यह 'प्रार्थना' शुरू होती है एक 'तमन्न' से जिसमें खुदा से कहा गया है कि वह 'मेरी जिंदगी' को उस शमा की तरह बना दे जिससे 'दूर दुनिया का अंधेरा हो जाये, हर जगह मेरे दम से उजाला हो जाये।' इकबाल ने आगे लिखा है, हे रब, मेरी जिंदगी परवाने की तरह हो और ज्ञान की मशाल से मुझे प्यार हो, मेरा काम गरीबों की हिमायत करना हो। इस प्रार्थना की आखिरी पंक्तियां हैं 'मेरे अल्लाह बुराई से बचाना मुझको/ नेक जो राह हो उस पे चलाना मुझको।'

इस प्रार्थना में इकबाल ने जो कुछ भी लिखा है उसमें किसी की भावनाओं के आहत होने की जगह कहां है? खुदा या रब या अल्लाह जैसे शब्दों में किसी षड्यंत्र की गंध क्यों आ रही है किसी को? कैसे किसी को इन शब्दों में बच्चों को इस्लाम की ओर आकर्षित करने की कोशिश दिखाई दे रही है? क्या यही सब 'इतनी शक्ति हमें देना दाता' लिखने वाले गीतकार अभिलाष ने नहीं लिखा? आइए, जरा इस प्रार्थना पर भी नजर डाल लें- प्रार्थना मन के विश्वास को कमजोर न होने देने की कामना के साथ शुरू होती है। फिर अज्ञान के अंधेरे को दूर करने की बात है। फिर कहा गया है हम हर बुराई से बचें और फिर खुशियों के फूल सबको बांटने की कामना की गयी है। इकबाल ने कहा था, 'दूर दुनिया का अंधेरा हो जाये', अभिलाष ने लिखा है, 'दूर अज्ञान के हों अंधेरे'। ईश्वर से शक्ति मांगने की प्रार्थना में 'हर बुराई से बचते रहें हम' कहा गया है और इकबाल ने अल्लाह से मांगा है, 'मेरे अल्लाह, बुराई से बचाना मुझको।' यह कैसी समझ है हमारी जिसने ईश्वर और अल्लाह शब्दों को हिंदू और मुसलमान बना दिया है? क्या संस्कृत के श्लोक सिर्फ हिंदुओं की बात करते हैं और अरबी की आयतें मुसलमानों के लिए ही हैं? सच पूछा जाये तो यह भाषा को हिंदू और मुसलमान बनाने का षड्यंत्र है। बच्चों के दिमाग में यह बात बिठाना कि ईश्वर हिंदू है और अल्लाह मुसलमान अपने आप में किसी अपराध से कम नहीं है। यह सोच अपराध कर रहा है और सजा फरीदपुर के स्कूल की शिक्षामित्र और प्रधानाध्यापिका को मिल रही है!

मैं नहीं जानता उत्तर प्रदेश के इस गांव का नाम फरीदपुर किस आधार पर रखा गया है, पर पंजाब में एक सूफी संत हुए थे फरीद, जिन्होंने इंसानियत का उपदेश दिया था, एक-दूसरे से प्यार करने का पाठ पढ़ाया था, मनुष्य मात्र की सेवा को जीवन का उद्देश्य कहा था। इस तरह की सारी बातें हम कैसे भूल जाते हैं? जब इकबाल कहते हैं कि 'दूर दुनिया का मेरे दम से अंधेरा हो जाये' या जब अभिलाष अज्ञान के अंधेरे के दूर होने की बात करते हैं तो वे सबके लिए उजाला मांग रहे हैं। इन शब्दों को सांप्रदायिकता से जोड़ना अपने आप में एक अपराध है। फरीदपुर की शिक्षा मित्र ने अपराध नहीं किया था, अपराध वे कर रहे हैं जिन्हें अल्लाह से धार्मिक भावनाओं के आहत होने का खतरा लग रहा है- ईश्वर अल्लाह तेरो नाम, सबको सन्मति दे भगवान!

## मूड को बनाता है खुशनुमा

चिकन में एमिनो एसिड ट्राइप्टोफन पाया जाता है इस एमिनो एसिड का सीधा संबंध सेरोटोनिन से है। सेरोटोनिन नाम का हारमोन हमारे ब्रेन से रिलीज होता है और यह हार्मोन हमारा मूड अच्छा और खुशनुमा रखने में हमारी मदद करता है। यदि आप के शरीर में सेरोटनिन नाम का हार्मोन भरपूर मात्रा में हो तो आप इस का मूड इस से जल्दी ही बदल जाता है लेकिन शोध में यह पाया गया कि यदि आप चिकन का सेवन साथ करते हैं तो इस से सेरोटनिन लेवल को तेजी से बढ़ाने में मदद मिलती है।

## हड्डियां और मांसपेशियां होती हैं मजबूत

प्रोटीन हड्डियो और मांसपेशियों के लिए आवश्यक होता है। यदि आप पोल्ट्री चिकन का सेवन करते हैं तो इस से आपको एमिनो एसिड मिलता है और इस एमिनो एसिड का इस्तेमाल शरीर मसल्स और हड्डियों की मजबूती के लिए करता है। खास तौर पर बढ़ती आयु में यह तत्व शरीर के लिए बहुत जरुरी होता है कई प्रकार के शोध में यह बात सामने आई है कि प्रोटीन का सेवन करने से हड्डियों को मजबूती मिलती है और चिकन के सेवन से हड्डियों और मांस पेशियों को मजबूत बनाया जा सकता है इस से चोट लगने का जोखिम कम होता है और आप आस्टिओपरोसिस नाम की बीमारी से भी बचे रह सकते हैं।

# प्रोटीन का सेवन करने से शरीर रहता है स्वस्थ

जिंदगी में स्वस्थ रहने के लिए आपकी बॉडी को प्रोटीन की जरूरत होती है और यदि आप सही मात्रा में प्रोटीन का सेवन करते हैं तो इस से आप स्वस्थ रह सकते हैं। बतख और टर्की का मीट प्रोटीन का एक अच्छा स्रोत है। इसमें न सिर्फ आपको प्रोटीन मिलता है। जिंदगी में स्वस्थ रहने के लिए आपकी बॉडी को प्रोटीन की जरूरत होती है और यदि आप सही मात्रा में प्रोटीन का सेवन करते हैं तो इस से आप स्वस्थ रह सकते हैं। बतख और टर्की का मीट प्रोटीन का एक अच्छा स्रोत है। इसमें न सिर्फ आपको प्रोटीन मिलता है बल्कि इसमें अच्छे फैट्स और सेलेनियम, आयरन और निआसिन जैसे माइक्रो न्यूट्रेंट्स भी मिलते हैं।

## भूख को शांत रखने में करता है मदद

फैट, कार्बोहाइड्रेट और प्रोटीन जैसे माइक्रो न्यूट्रेंट्स आपकी बॉडी को अलग अलग तरीके से प्रभावित करते है. शोध में यह बात सामने आई है कि कम मात्रा में प्रोटीन का सेवन कर के भी आप की भूख शांत हो जाती है और आप संतुष्ट महसूस करते हैं। इस से आप कम खाना खाते हैं और कम कैलरीज का सेवन करते हैं इस से शरीर में वेट को रेगुलट करने वाले हार्मोन्स को भी मदद मिलती है।

## वेट मैनेजमेंट और हेल्दी हार्ट के लिए है जरुरी

वेट के मैनेजमेंट और हार्ट की हेल्थ को ले कर किए गए शोध में यह बात सामने आई है कि यदि हम अपनी डाइट में एक बार में 25 से 30 प्रोटीन का सेवन करते हैं तो इस से हम कम खाना खा कर भी संतुष्ट महसूस करते हैं और यदि हम कम खाना खाते हैं तो इस से हमारा वेट जल्दी नहीं बढ़ता और इस से वेट मैनेजमेंट आसानी से हो सकती है और यदि हमारा वेट बेलेंस रहता है तो हम न सिर्फ हाई ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियों से बचे रहते हैं बल्कि हाई ट्रिग्लिसाइड लेवल का जोखिम भी कम रहता है और हमारा हार्ट हेल्दी रहता है ऐसे में यदि आप चिकन का सेवन करते हैं और डाइट में प्रोटीन की मात्र बढ़ाते हैं तो आप न सिर्फ बढ़ते वजन को कंट्रोल में रख पाएंगे बल्कि हार्ट भी हेल्दी रहेगा।

## हंसना मना है

वाईफ टीवी पर मॅच देख रही थी, हसबंड स्मार्ट बनके आया और बोला, डार्लिंग मैं कैसा लग रहा हुं? तभी वाईफ जोरसे चिल्लाई, छक्का!

रुपेश: पापा मुझे एक लड़की पसंद है, मैं उससे शादी करना चाहता हूं.. पापा: क्या वो भी तुझे पसन्द करती है? रुपेश: हां जी हां.. पापा: जिस लड़की की पसन्द ऐसी हो, मैं उसे अपनी बहू नहीं बना सकता।

सरदार दुखी था। किसी ने पुछा: क्यों टेंशन मे हो? सरदार: यार एक दोस्त को प्लास्टिक सर्जरी के लिए 2 लाख दिए, अब साले को पहचान नहीं पा रहा हुं।

संता अपनी बीमारी की वजह से डॉक्टर के पास गया, डॉक्टर: आपकी बीमारी की सही वजह मेरी समझ में नहीं आ रही, हो सकता है दारु पीने की वजह से ऐसा हो रहा हो, संता: कोई बात नहीं डॉक्टर साहब, जब आपकी उतर जाएगी तो मैं दोबारा आ जाऊंगा।

पापा और 15 साल का बेटा एक होटल में गए, पापा: वेटर एक बियर और एक आईसक्रीम लाओ, बेटा: आईसक्रीम क्यों पापा, आप भी बियर लीजिये ना, दे.. चप्पल.. पे.. चप्पल!

## कहानी | मुर्गी पहले आई या अंडा?

एक दिन की बात है, बादशाह अकबर की राजसभा में एक ज्ञानी पंडित आया हुआ था। वह कुछ सवालों के जवाब बादशाह से जानना चाहता था, लेकिन बादशाह के लिए उसके सवालों का जवाब देना मुश्किल हो गया। इसलिए, उन्होंने पंडित के सवालों के जवाब देने के लिए बीरबल को आगे कर दिया। बीरबल की चतुराई से सभी वाकिफ थे और सभी को उम्मीद थी कि बीरबल पंडित के हर सवाल का जवाब आसानी से दे सकते हैं। पंडित ने बीरबल से कहा, मैं तुम्हें दो विकल्प देता हूं। एक या तो तुम मुझे मेरे 100 आसान से सवाल के जवाब दो या फिर मेरे एक मुश्किल सवाल का जवाब दो। बीरबल ने सोच-विचार करने के बाद कहा कि मैं आपके एक मुश्किल सवाल का जवाब देना चाहता हूं। फिर पंडित ने बीरबल से पूछा, तो बताओ मुर्गी पहले आई या अंडा। बीरबल ने तुरंत पंडित को जवाब दिया कि मुर्गी पहले आई। फिर पंडित ने उनसे पूछा कि तुम इतनी आसानी से कैसे बोल सकते हो कि मुर्गी पहले आई। इस पर बीरबल ने पंडित से कहा कि यह आपका दूसरा सवाल है और मुझे आपके एक सवाल का ही जवाब देना था। ऐसे में पंडित, बीरबल के सामने कुछ बोल नहीं पाया और बिना बोले ही दरबार से चला गया। बीरबल की चतुराई और अक्लमंदी को देखकर अकबर हमेशा की तरह ही इस बार भी बहुत खुश हुए। इससे बीरबल ने साबित कर दिया कि बादशाह अकबर के दरबार में सलाहकार के रूप में बीरबल का रहना कितना जरूरी है।

**कहानी से सीख:** सही तरह से दिमाग लगाने और संयम रखने से हर सवाल का जवाब और हर समस्या का हल मिल सकता है।

## 6 अंतर खोजें

## जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

**मेष**

आपके लिए आज का दिन बहुत लाभदायक रहेगा। आमदनी में बढ़ोतरी होगी। कार्यक्षेत्र में अच्छे संबंध बनाकर रखने से आपको लाभ मिलेगा।

**वृषभ**

आज आपका आत्मविश्वास चरम पर रहेगा और आप कई महत्वपूर्ण फैसले लेंगे। आपकी क्षमता के कारण आपको अच्छी नौकरी मिल सकती है।

**मिथुन**

आज आपका जोश चरम पर हो सकता है। नए लोग आपसे जुड़ सकते हैं। रिश्तों से जुड़े कई पहलू आपके लिए खास हो सकते हैं। अचानक सामने आने वाले कामों के लिए खुद को पहले से तैयार कर लें।

**कर्क**

आज का दिन थोड़ा सा कमजोर रह सकता है। खर्चों में बढ़ोतरी होगी। स्वास्थ्य थोड़ा कमजोर रहेगा मानसिक रूप से तनाव में रहेंगे लेकिन दांपत्य जीवन सुख देगा।

**सिंह**

साल के पहले भावनात्मक तौर पर एक नई ऊर्जा महसूस होगी। कोई पुराना मित्र आप तक किसी न किसी तरह पहुंच जाएगा और आपको अतीत की यादों में ले जाएगा।

**कन्या**

आपका रवैया काफी सहानुभूतिपूर्ण और लचीला हो सकता है। ज्यादातर मामलों को आप पूरी गहराई में जाकर ही समझ सकेंगे।

**तुला**

आपके लिए आज का दिन प्रेम जीवन के लिए बेहतरीन दिनों में से एक होगा। दोपहर बाद स्थिति में थोड़ा बदलाव आएगा और आपके खर्चों में बढ़ोतरी होगी।

**वृश्चिक**

साल के पहले दिन भाई-बहनों के साथ संबंधो में मिठास बनी रहेगी। अगर आप ऐसे अच्छे कामों में थोड़ा समय लगाएं, तो काफी सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं।

**धनु**

आज आप थोड़े व्यावहारिक रहेंगे। इससे आपको फायदा होगा। सामाजिक तौर पर आप बहुत सक्रिय भी रहेंगे। भावनात्मक दृष्टि से आप उत्साहित रहेंगे।

**मकर**

आपके लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। खर्चे तो काफी है लेकिन फिर भी आप खुशी ढूंढ लेंगे। अपने प्रिय से अच्छे तरीके से पेश आएं और आज के दिन को बेहतर बनाएं।

**कुम्भ**

आज आपको परिवार से सहयोग प्राप्त होगा। कार्यक्षेत्र में अनुकूलता से प्रसन्नता का अनुभव होगा। बिजनेस व्यापार करने वाले लोगों को जबरदस्त धन लाभ की प्राप्त होगा।

**मीन**

किस्मत का साथ मिल सकता है। आज के हालात और आपसे मिलने वाले लोग आपको कुछ नया करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। ससुराल पक्ष से कोई उपहार मिलने के योग बन रहे हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

# जिस बीमारी से मैं पीड़ित था वो किसी को न हो : हनी सिंह

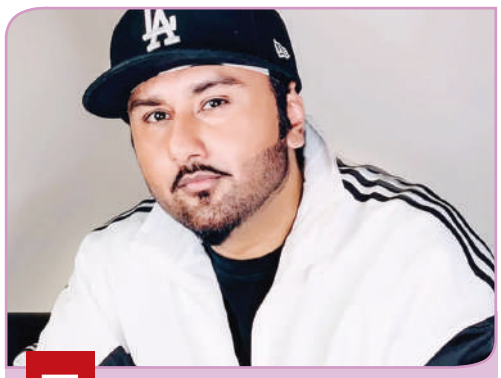

हनी सिंह से आप सभी वाकिफ हैं। उन्होंने इंडस्ट्री को कई हिट गाने दिए हैं। वो बात अलग है कि उनके उसी हिट ट्रैक पर जबरदस्त कॉन्ट्रोवर्सी भी हुई है। हालांकि कभी उससे वह डगमगाए नहीं लेकिन एक बार कुछ ऐसा हुआ जिससे वह मरने की दुआ मांगने लगे थे। इस बात का खुलासा खुद सिंहर ने लेटेस्ट इंटरव्यू में किया ह। उन्होंने बताया कि लाइफ में एक ऐसा मोड़ भी आया जब उनके अंदर जीने की इच्छा एकदम खत्म हो गई थी और वह मरना चाहते थे। दरअसल, हनी सिंह एक समय बाद कई सालों तक इंडस्ट्री से गायब हो गए थे। जब वापस आए तो धमाकेदार गानों से फैन्स को झंकझोर दिया। साथ ही फैन्स को ये भी बताया था कि जितने समय वह इंडस्ट्री से दूर रहे, उस दौरान उन्होंने बहुत कुछ झेला। एक न्यूज पोर्टल से खास बातचीत में सिंगर ने अपने मेंटल हेल्थ के बारे में बात की थी। बताया था कि वह मरने की दुआ मांगते थे। उनके मूड स्विंग्स होते थे और समझ ही नहीं पाते थे कि आखिर हो क्या रहा है। हनी सिंह ने बताया कि मेंटल हेल्थ के कई सारे वेरिएशन्स होते हैं। एंजायटी डिसऑर्डर तो सर्दी-जुकाम जैसा है। उन्हें साइकोटिक सिम्पटम और बायपोलर डिसऑर्डर हुआ। उनका कहना था कि ये बहुत ही खतरनाक चीज होती है। वह नहीं चाहते कि ये किसी को हो। दुश्मन को भी नहीं। हनी सिंह ने बताया कि वह हमेशा मरने की दुआ मांगते थे। वह कहते हैं- मैं पागल हो गया था। मैं शराब के नशे में इतना डूबा रहा था कि स्मोकिंग किया करता था। उन सारी चीजों से मेरा दिमाग फट गया था। नींद नहीं आती थी इसलिए सोता भी नहीं था। जहां जाता था, लोगों को हंसाने की कोशिश करता था। हनी सिंह ने कहा कि उन्हें अपनी इस बीमारी को समझने के लिए तीन साल लगे। इसके बाद उन्हें डॉक्टर तलाशने में चार साल लग गए

# एनिमल से डरे हैं रणबीर कपूर

रणबीर कपूर और साउथ एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना स्टारर फिल्म एनिमल का फर्स्ट लुक जारी किया गया है। फिल्म का डायरेक्शन संदीप रेड्डी वांगा ने किया है। मेकर्स ने फिल्म के फर्स्ट लुक का पोस्टर कुछ इस तरह दिखाया, जिसमें रणबीर कपूर की शर्ट खून से सनी नजर आई। वह सिगरेट पीते हुए और बांह पर कुल्हाड़ी थामे दिखाई दिए। एनिमल के पोस्टर लुक से फैंस काफी एक्साइटेड नजर आ रहे हैं। पोस्टर रिलीज के बाद लगातार कमेंट कर रहे हैं। इसके अलावा रणबीर कपूर की पत्नी और एक्ट्रेस आलिया भट्ट ने भी पोस्टर पर रिएक्ट किया है।

फिल्म को लेकर रणबीर कपूर ने एक इंटरव्यू दिया। उन्होंने कहा कि फिल्म एनिमल में किरदार उनके कंफर्ट जोन से बाहर था। वह फिल्म में निगेटिव रोल निभाने के लिए काफी ज्यादा उत्सुक हैं और सही मौके का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि

एनिमल फिल्म में उनका किरदार काफी चौंकाने वाला है और इसमें कई ग्रे शेड्स देखने को मिलेंगे। मैं खुद एनिमल का इंतजार कर रहा हूं, क्योंकि फिल्म की कहानी मेरे कंफर्ट जोन से बाहर है। मैं काफी डरा हुआ हूं, लेकिन फिल्म को लेकर उत्सुक भी हूं।

एनिमल के मेकर मुराद खेतानी ने बताया कि यह एक लार्जर-दैन-द-लाइफ विजुअल ड्रामा है, जो हीरोइज्म से भरी हुई है। यह एक चुनौतीपूर्ण फिल्म रही, लेकिन उनके पास बेहतर टीम है। उन्होंने बताया कि संदीप ने फिल्म की अच्छी कहानी लिखी, जिसे रणबीर कपूर और अनिल कपूर को सुनाया गया। दोनों ही कलाकारों को कहानी पसंद आई। फिल्म में दर्शकों को एक्शन, ड्रामा, इमोशन, हीरोइज्म, लार्जर दैन लाइफ विजुअल्स देखने को मिलेंगे। फिल्म में साउथ अभिनेत्री रश्मिका मंदाना हैं। ऐसे में फिल्म को साउथ रीजन में भी रिलीज किया जाएगा।

## पांच भाषाओं में रिलीज होगी फिल्म

फिल्म में रणबीर कपूर और रश्मिका मंदाना के अलावा अनिल कपूर मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। साथ ही, बॉबी देओल, तृप्ति डिमरी जैसे बेहतरीन कलाकार भी फिल्म में दिखाई देंगे। फिल्म 11 अगस्त 2023 को सिनेमाघरों में देखने को मिलेगी। फिल्म को पांच भाषाओं में रिलीज किया जाएगा।

बॉलीवुड | मसाला

# नए साल में फिर अपना जादू बिखेरने को तैयार हैं मृणाल

मृणाल ठाकुर का करियर इन दिनों बुलंदियों पर चल रहा है। साल 2022 एक्ट्रेस के लिए बहुत शानदार था। वहीं नया साल भी एक्ट्रेस के लिए खुशियां लेकर आया है। एक्ट्रेस के हाथ एक और बड़ी फिल्म लग गई है। रिपोर्ट्स की मानें तो मृणाल ठाकुर नानी 30 में दिखाई आने वाली हैं। फिल्म का फर्स्ट लुक रिलीज कर दिया गया है। नानी की 30वीं तेलुगू फिल्म निर्देशक शौर्यव द्वारा निर्देशित की जा रही है। फिल्म का निर्माण मोहन चेरुकुरी, डॉ। विजेंदर रेड्डी तेगला और मूर्ति के एस। ने किया है। इस फिल्म का संगीत मलयालम संगीतकार हेशम अब्दुल वहाब ने तैयार किया है। फिल्म की पहली झलक से लगाता है यह इमोशनल फैमिली ड्रामा है। फिल्म एक पिता-पुत्री के रिश्ते के इर्द-गिर्द घूम सकती है। फिल्म पर काम शुरू नहीं हुआ है। बीते साल एक्टर नानी की दो फिल्में रिलीज हुईं, जिनमें पहले सुंदरनिकी, जिसके लिए उन्हें खूब तारीफ मिली, और हिट-द सेकेंड केस, जहां उन्होंने एक छोटी भूमिका निभाई। नानी की आने वाली फिल्मों में दशहरा भी शामिल है, जहां उनकी जोड़ी कीर्ति सुरेश के बनी है। टॉलीवुड अभिनेता नवोदित निर्देशकों के साथ काम करना बेहद पसंद करते हैं। मृणाल ठाकुर के पास 2023 में बहुत काम हैं। वह आदित्य रॉय कपूर के साथ है गुमराह में दिखेंगी, जो हिट तमिल फिल्म थडम की आधिकारिक रीमेक है। अभिनेत्री इस फिल्म में एक पुलिस वाले की भूमिका निभा रही हैं मृणाल का कहना है कि उनकी सफलता की कुंजी उनका धैर्य है, क्योंकि उन्होंने सही भूमिकाओं और सही समय के लिए लंबा इंतजार किया।

बॉलीवुड | गपशप

अजब-गजब | 1989 से चल रही है इस अनोखे होटल को बनाने की परंपरा

# हर साल किया जाता है इस होटल का निर्माण

दुनिया के किसी भी होटल को इतना मजबूत बनाया जाता है कि भूकंप के तेज झटकों में भी उसकी इमारत को कुछ न हो, लेकिन आज हम आपको एक ऐसे होटल के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे हर साल बनाना पड़ता है। क्योंकि ये होटल हर साल नष्ट हो जाता है। अब आप सोच रहे होंगे कि भला ऐसा भी कोई होटल होगा जिसे हर साल बनाना पड़ता है। तो इसका जवाब है हां। दरअसल, स्वीडन में एक ऐसा ही होटल है। जिसे हर साल बनाना पड़ता है क्योंकि ये होटल हर साल नदी की तेज धारा में बह जाता है।

इस होटल को आइस होटल के नाम से जाना जाता है। बता दें कि इस आइस होटल को हर साल सर्दियों में बनाया जाता है, लेकिन पांच महीने के बाद गर्मियों के मौसम में ये पिघलना शुरु हो जाता है। उसके बाद ये नदी के पानी में मिल जाता है। इस अनोखे होटल को बनाने की परंपरा साल 1989 से ही चली आ रही है। इस होटल को 31 साल हो गए हैं। इतने सालों से इस होटल को ऐसे ही बनाया जाता रहा है।

बता दें कि कि इस अनोखे होटल को टॉर्न नदी के तट पर बनाया जाता है। इसे बनाने के लिए नदी से करीब 2500 टन बर्फ निकाली जाती है और फिर अक्तूबर महीने से इस होटल का निर्माण होना शुरू हो जाता है। इसे बनाने के लिए दुनियाभर से कलाकार आते हैं, जो अपनी कलाकारी दिखाते हैं। जब ये होटल

बनकर तैयार होता है तो इसकी खूबसूरती देखते ही बनती है। हर साल इस होटल में 35 कमरे बनाए जाते हैं। इन कमरों में ठहरने के लिए दुनियाभर से पर्यटक यहां पहुंचते हैं। कमरों के अंदर का तापमान करीब माइनस पांच डिग्री सेल्सियस रहता है। बताया जाता है कि हर साल करीब 50 हजार पर्यटक इस होटल में ठहरने के लिए आते हैं। इस होटक का निर्माण कार्य हर साल अक्टूबर महीने से होता है उसके बाद मई के महीने में ये होटल पिघलना शुरु हो जाता है। क्योंकि मई में यहां तापमान बढ़ना शुरु हो जाता है और जून आते आते ये होटल पूरी तरह से पिघल जाता है उसके बाद ये नदी के पानी में मिल जाता है। बता दें कि बेतहाशा खूबसूरत इस होटल में एक रात रुकने का किराया 17 हजार रुपये से शुरु होता है और एक लाख रुपये तक चुकाना होता है।

बता दें कि ये होटल पूरी तरह से इको फ्रेंडली है, यानी पर्यावरण के अनुकूल है। यहां सिर्फ सौर ऊर्जा से चलने वाले उपकरणों को ही लगाया गया है। इस होटल की खास बात ये है कि यहां एक आइस बार भी है। इतना ही नहीं, यहां पर पर्यटकों के पीने के लिए बर्फ के ही गिलास भी बनाए जाते हैं। होटल के अंदर इस तरह के साउंड इफेक्ट्स लगाए गए हैं कि लगता है कि आप किसी जंगल में हैं। वहीं, बच्चों के लिए यहां क्रिएटिव जोन भी बनाया गया है।

# तोते की मौत पर गम में डूब गई मैना शव पर पुष्प चढ़ाकर दी श्रद्धांजलि

अपने साथ की मौत दुनिया का सबसे बड़ा ग़म माना जाता है। जिसके साथ जिंदगी के कई साल गुजारे और वह अचानक से छोड़कर चला जाए तो दुःख होना लाजिमी है। इंसान ही नहीं बल्कि जानवर और पक्षी भी अपने साथी की मौत पर शोक मनाते हैं और दुःखी होते हैं। आज सोशल मीडिया में हमें एक ऐसा ही वीडियो देखने को मिला। जिसे भारतीय वन सेवा के अधिकारी सुशांत नंदा ने अपने ट्विटर हैंडल से शेयर किया है। जिसमें एक तोता की मौत पर मैना को ग़म में डूबे हुए देखा जा सकता है। हालांकि, आईएफएस अधिकारी नंदा ने ये नहीं बताया कि मरने वाला तोता है या मैना। इसलिए ये कहना मुश्किल कि साथी की मौत के बाद उसको श्रद्धांजलि दे रहा पक्षी मादा है या नर। लेकिन सुशांत नंदा ने इस वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में जो बात लिखी है वह यकीनन आपकी आंखों को गीला कर देगी। सुशांत नंदा ने लिखा, अलविदा का सीधा सा मतलब है कि, 'मैं आपको तब तक याद करूंगा, जब तक हम दोबारा नहीं मिलते' हमारी (इंसान) तरह ही दुखी, जंगल (जंगली जानवरों) के साथ सहानुभूति से व्यवहार करें। इस वीडियो में देखा जा सकता है कि कागज से बने एक डिब्बे में एक मरा हुआ तोता पड़ा हुआ है। उसके ऊपर कुछ फूल पड़े हुए हैं। तोते के पास उसका साथी नजर आ रहा है जो बार-बार अपनी चोंच से उसे उठाने की कोशिश करता है। वह कभी उसकी चोंच को अपनी चोंच से खींचता है तो कभी उसके पंखों को चोंच में लेकर खींचता है। लेकिन लेटा हुआ तोता कोई प्रतिक्रिया नहीं करता। जिससे समझा जा सकता है कि उसकी मौत हो चुकी है। तोते का साथी कभी उसकी खुली हुई आंखों को अपनी चोंच से बंद करने की कोशिश करता है तो कभी उसके पंजों को चोंच से छूटकर उसे उठाता है। ये वीडियो यकीनन आपके रोंगटे खड़े कर देता और जानवर या पक्षियों के प्रति अपने प्यार और संवेदन को बढ़ा देगा।

## केजरीवाल सरकार का नए साल पर दिल्लीवासियों को तोहफा

# 50 नई लो-फ्लोर बसों को सीएम ने दिखाई हरी झंडी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कल राजघाट डीटीसी डिपो से 50 नई लो-फ्लोर इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान दिल्ली के परिवहन मंत्री कैलाश भी मौजूद रहे। ये सभी इलेक्ट्रिक बसें रोहिणी सेक्टर 37 स्थित बस डिपो में ठहरेंगी और दिल्ली के सात अलग-अलग रूटों पर चलाई जाएंगी। यह 12 मीटर लंबी लो-फ्लोर इलेक्ट्रिक बसें हैं। इन बसों में यात्रियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा गया है। बस में जीपीएस, सीसीटीवी, व्हील चेयर, महिलाओं के लिए 25 प्रतिशत पिंक सीट और वरिष्ठ नागरिकों के लिए सीट है। नेत्रहीन लोगों के लिए विशेष सुविधा के साथ दिव्यांगजनों के लिए हर बस में 4 सीट है।

आधुनिक सुरक्षा मानकों से लैस इन 50 लो-फ्लोर इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाने के बाद, सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मैं दिल्ली में प्रदूषण मुक्त, सुरक्षित और अधिक सुविधाजनक सार्वजनिक परिवहन के नए युग में दिल्ली वासियों का स्वागत करता हूं। आज बहुत खुशी का दिन है कि 50 नई लो फ्लोर इलेक्ट्रिक बसें दिल्ली की जनता के लिए सड़कों पर उपलब्ध होने जा रही हैं। अब दिल्ली के अंदर 300 इलेक्ट्रिक लो फ्लोर बसें हो गई हैं। दिल्ली में अब कुल 7379 बसें हो गई हैं। दिल्ली की सड़कों पर अब तक की सबसे ज्यादा बसें हैं। अब तक कभी भी दिल्ली की सड़कों पर इतनी बसें नहीं थी। बीच में कई सालों तक दिल्ली में नई बसें खरीदी नहीं गई थीं। कुल 7379 बसों में से 4060 डीटीसी के अंतर्गत हैं और क्लस्टर में 3319 बसें डीआईएमटीएस (दिल्ली इंटीग्रेटेड मल्टी मॉडल ट्रांजिट सिस्टम) के तहत संचालित की जा रही हैं।

### फीडर बसों की संख्या बढ़ाएंगे

हम इस साल के अंत तक फीडर बसों की संख्या 100 से बढ़ाकर 480 कर देंगे, जिसके बाद डीएमआरसी के फीडर रूट्स पर 480 बसें हो जाएंगी। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि डीएमआरसी की 100 इलेक्ट्रिक बसें और डीटीसी की 300 इलेक्ट्रिक बसें यानी दिल्ली में कुल 400 इलेक्ट्रिक बसें हो गई हैं। पूरे देश में सबसे ज्यादा इलेक्ट्रिक बसें मुम्बई में हैं। मुंबई में इलेक्ट्रिक की 406 बसें हैं। मुम्बई से हम केवल 6 बसें ही पीछे रहे गए हैं। इस साल हम 1500 और नई इलेक्ट्रिक बसें खरीदने जा रहे हैं।

# हिमाचल प्रदेश में बाहरी निवेशकों के लिए द्वार खोलेगी सुक्खू सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा है कि हिमाचल प्रदेश में बाहरी निवेशकों के लिए द्वार खोले जाएंगे। बड़े प्रोजेक्ट लाकर रोजगार के अवसर सृजित किए जाएंगे। बड़े प्रोजेक्टों को मंजूर करवाने के लिए निवेशकों को विभागीय दफ्तरों के चक्कर भी नहीं काटने होंगे। उन्होंने कहा कि निवेशकों के लिए सरकार एक नोडल एजेंसी बनाएगी। यही एजेंसी बड़े प्रोजेक्टों को मंजूरी देगी।

ज्यादा रोजगार देने वाले निवेशक की तमाम प्रक्रिया सात दिन में पूरी कर प्रोजेक्ट को मंजूरी दी जाएगी। मुख्यमंत्री मनाली की मनु रंगशाला में राष्ट्रीय स्तरीय विंटर कार्निवाल का शुभारंभ करने के बाद जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हम व्यवस्था परिवर्तन के लिए आए हैं। नए साल में कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना का तोहफा दिया जाएगा। मंत्रिमंडल की पहली बैठक में ही इसका एलान किया जाएगा। अनाथ बच्चों के लिए 101 करोड़ की बड़ी योजना शुरू की है। महिलाओं के लिए भी सरकार हर महीने 1,500-1,500 रुपये की पेंशन का प्रावधान करेगी। पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर के बयान पर पलटवार करते हुए उन्होंने कहा कि मंत्रिमंडल के गठन को लेकर सवाल किए जा रहे हैं। कांग्रेस के विधायक सरकार बनने के बाद एकजुट होकर काम कर रहे हैं। हर फैसले में विधायक उनके साथ हैं। कोई विधायक मंत्री पद के पीछे नहीं दौड़ रहा, जैसा भाजपा के समय होता था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमाचल को स्वच्छ पर्यावरण युक्त राज्य बनाने की दिशा में सरकार इलेक्ट्रानिक वाहनों पर जोर दे रही है।

# प्रयागराज में चेकिंग कर रहे एआरटीओ को कार ने कुचला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। नैनी के नए यमुना ब्रिज पर कार की टक्कर से एआरटीओ भूपेश कुमार गुप्ता गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। उनके सिर में गंभीर चोट आई है। आनन-फानन में उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां हालत नाजुक देख उन्हें मेदांता के लिए रेफर कर दिया गया है। चिकित्सकों के मुताबिक कुछ घंटे एआरटीओ के लिए अहम हैं। घटना की जानकारी होते ही डीएम, आरटीओ सहित तमाम अफसर मौके पर पहुंच गए। घटना के बाद चालक कार लेकर फरार हो गया है। पुलिस उसकी खोजबीन में जुटी है।

एआरटीओ प्रवर्तन भूपेश कुमार

एआरटीओ प्रवर्तन भूपेश कुमार गुप्ता मंगलवार को भोर में नए यमुना पुल पर अपनी टीम के साथ वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। भोर में करीब पांच बजे एक गाड़ी के नंबर प्लेट का फोटो खींचने के लिए जैसे ही वह सड़क पार कर रहे थे कि तेज रफ्तार एक कार ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में एआरटीओ दूर गिरे। इससे उनके सिर में गंभीर चोटें आई।

घटना के बाद चालक कार लेकर फरार हो गया। कर्मचारियों ने एआटीओ को तत्काल उन्हें रामबाग स्थित एक निजी में भर्ती कराया। सिर से लगातार रक्तस्राव हो रहा था। हालत गंभीर देख डाक्टरों ने उन्हें मेदांता के लिए रेफर कर दिया गया। घटना के बाद तमाम अधिकारी मौके पर पहुंच गए।

# कप्पन को एक-एक लाख की दो जमानतें दाखिल करने का आदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। हाथरस में हिंसा फैलाने जाते समय गिरफ्तार पत्रकार सिद्दीक कप्पन की ओर से हाईकोर्ट के आदेश की सत्यप्रति के साथ जमानत राशि तय करने की मांग वाली अर्जी कोर्ट में दी गई।

ईडी के विशेष न्यायाधीश संजय शंकर पांडेय ने कप्पन को एक-एक लाख रुपये की दो जमानतें और इसी धनराशि का व्यक्तिगत मुचलका दाखिल करने का आदेश दिया है। गौरतलब है कि हवाला से धन प्राप्त करके देश विरोधी गतिविधियों में इस्तेमाल करने समेत अन्य आरोपों में ईडी ने हाथरस कांड के दौरान गिरफ्तार पत्रकार कप्पन के खिलाफ कार्रवाई की थी। इसके बाद कोर्ट ने उसे न्यायिक हिरासत में लिया था। इससे पूर्व आरोपी की ओर से पीएमएलए कोर्ट में जमानत अर्जी दी गई थी। इसे कोर्ट ने 31 अक्टूबर को खारिज कर दिया था।

# आज फिर 291 ट्रेनों के थम गए पहिए, दर्जनों की पटरी बदली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 15 दिसंबर 2022 से लगातार बड़ी संख्या में ट्रेनों को कैंसिल करना पड़ रहा है। क्योंकि घना कोहरा ट्रेनों की रफ्तार में बाधा बन रहा है। मंगलवार को भी रेलवे ने लगभग 291 ट्रेनों को निरस्त कर दिया है। जिससे लाखों यात्रियों को परेशान होना पड़ेगा। हालांकि रेलवे ने टिकट रिफंड के लिए किसी तरह की टेंसन लेने से यात्रियों को मना किया है। लेकिन जिन यात्रियों को जरूरी काम से निकलना था। उन्हें जरूर परेशानी का सामना करना पड़ेगा। जानकारी के मुताबिक आज निरस्त की गई ट्रेनों में कुछ ट्रेनों को रूट बदलकर भी चलाए जाने की सूचना है।

मंगलवार को रेलवे द्वारा कुल 291 ट्रेनें निरस्त करने की सूचना है। जिनमें 261 ट्रेनें पूरी तरह रद्द की गई हैं। जबकि 11 ट्रेनों को रूट बदलकर चलाया जाएगा। वहीं कुछ ट्रेनों को रिशेड्यूल भी किया गया है। जानकारी के मुताबिक निरस्त होने वाली ट्रेनों में पैसेंजर, मेल और एक्सप्रेस ट्रेनें शामिल हैं। रेलवे के नॉटिफिकेशन के मुताबिक किसी भी यात्री का किराये का नुकसान नहीं होने दिया जाएगा। रिफंड पॉलिसी के तहत सभी यात्री अपना पैसा वापस पा सकते हैं। बताया जा रहा है कि घने कोहरे के चलते रेलवे को रोजाना करोड़ों रुपए का नुकसान झेलना पड़ रहा है।

# कड़ाके की ठंड से कांपा उत्तर प्रदेश

### » राजधानी समेत 36 जिलों में ठंड और कोहरे से जारी किया अलर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने अगले दो दिनों के लिए उत्तर प्रदेश के 36 जिलों में कड़ाके की ठंड और कोहरे का अलर्ट जारी किया है। राज्य सरकार ने शीत लहर की स्थिति को देखते हुए चार से सात जनवरी तक सभी स्कूलों को बंद करने का आदेश दिया है। मौसम विभाग के अनुसार इन जिलों में तापमान सामान्य से 4.5 डिग्री सेल्सियस कम रहने की संभावना है।

जिन जिलों में कड़ाके की ठंड पड़ने की संभावना है उनमें मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, देवरिया, गोरखपुर, बस्ती, कुशीनगर, महराजगंज, सिद्धार्थ नगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, सुल्तानपुर, अयोध्या, अम्बेडकर नगर, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, संभल, बदायूं, जालौन, हमीरपुर, महोबा, ललितपुर, झांसी और दो अन्य जिले शामिल हैं।

### सात जनवरी तक स्कूलों में हुई छुट्टी

राज्य की राजधानी लखनऊ में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 17 और 10 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। लखनऊ मौसम विभाग के प्रभारी मोहम्मद दानिश ने कहा कि लखनऊ के लिए सुबह मध्यम से घना कोहरा और बाद में आसमान साफ रहने का पूर्वानुमान है। यूपी में लगातार बढ़ रही ठंड को देखते हुए कई जिलों के जिलाधिकारियों ने स्कूल बंद करने का आदेश जारी किया है। राजधानी लखनऊ में शीत लहर के चलते कक्षा 12 तक के सभी स्कूल 4 जनवरी से 7 जनवरी तक बंद करने के निर्देश जारी किए गए हैं। मौसम वैज्ञानिकों के पूर्वानुमान के अनुसार अगले दो दिनों में वाराणसी में भीषण शीत लहर चलेगी। इसके अलावा प्रयागराज में भी कक्षा एक से आठ तक के सभी स्कूलों में 3 जनवरी से 5 जनवरी तक सभी स्कूलों को बंद रखने का आदेश दिया गया है।

## अभिव्यक्ति की आजादी के मामले में सुप्रीम कोर्ट का फैसला

# मंत्री, सांसद या विधायक के बयान के लिए जिम्मेदार नहीं होगी सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने आज अभिव्यक्ति की आजादी के मामले में एक अहम फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कहा कि किसी मंत्री, सांसद या विधायक के बयान के लिए सरकार को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है। कोर्ट ने अपने फैसले में आगे कहा कि एक मंत्री द्वारा दिया गया बयान भले ही राज्य या केंद्र के किसी भी मामले के लिए दिया गया हो, पर सामूहिक जिम्मेदारी के सिद्धांत को लागू नहीं किया जा सकता और सरकार को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है।**

न्यायमूर्ति एस ए नजीर की अध्यक्षता वाली पांच जजों की संविधान पीठ ने कहा कि जनप्रतिनिधियों की अभिव्यक्ति और बोलने की आजादी पर अनुच्छेद 19 (2) के तहत उल्लेखित को छोड़कर कोई अतिरिक्त पाबंदी की आवश्यकता नहीं है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट एक याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें कहा गया था कि क्या राज्य या केंद्र सरकार के मंत्रियों, सांसदों, विधायक या उच्च पदों पर बैठे व्यक्तियों की अभिव्यक्ति और बोलने की आजादी पर कोई अंकुश लगाया जा सकता है?

### जस्टिस नागरत्ना का कथन अलग

पांच जजों की बेंच में न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना ने एक बार फिर बाकी जजों से अलग अपना निर्णय सुनाया है। उन्होंने कहा कि बोलने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एक बहुत आवश्यक अधिकार है, जिससे नागरिकों को शासन के बारे में अच्छी तरह से सूचित और शिक्षित किया जा सके। उन्होंने कहा कि अभद्र भाषा समाज को असमान बनाकर मूलभूत मूल्यों पर प्रहार करती है और विशेष रूप से हमारे जैसे देश भारत में विविध पृष्ठभूमि के नागरिकों पर भी हमला करती है। जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि यह संसद के विवेक पर निर्भर है कि वह सार्वजनिक पदाधिकारियों को नागरिकों के खिलाफ अपमानजनक

टिप्पणी करने से रोकने के लिए एक कानून बनाए। उन्होंने कहा कि यह राजनीतिक दलों के लिए है कि वे अपने मंत्रियों द्वारा दिए गए भाषणों को नियंत्रित करें जो एक आचार संहिता बनाकर किया जा सकता है। कोई भी नागरिक जो इस तरह के भाषणों या सार्वजनिक अधिकारी द्वारा अभद्र भाषा से हमला महसूस करता है, वह अदालत का रुख कर सकता है।

# 2024 में खत्म हो जाएगी सांप्रदायिक और नफरती राजनीति: अखिलेश यादव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव को ऐसी उम्मीद है कि नए साल में सांप्रदायिक और नफरती राजनीति खत्म होगी। सपा अध्यक्ष ने कहा कि सन 2023 की राजनीतिक संभावनाओं के चलते सन 2024 में सांप्रदायिक और नफरती राजनीति खत्म होगी और राष्ट्रीय राजनीति में समाजवादी विचारधारा का रास्ता प्रशस्त होगा।**

अखिलेश ने कहा कि सपा को जब भी मौका मिला तो उसने देश की जनता के लिए सर्वहितकारी और सर्वोत्तम कार्य किए हैं। लेकिन सत्तासीन भाजपा सरकार जनता के हितों की अनदेखी कर रही है। सपा लोकतंत्र, समाजवाद तथा धर्मनिरपेक्षता के लिए प्रतिबद्ध है। पार्टी देश की संप्रभुता, एकता और अखंडता को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए संकल्पित है। इसीलिए देश के घटनाचक्र पर गहरी नजर रखने के साथ सपा राष्ट्रहित में मजबूती से राजनीतिक हस्तक्षेप करती रही है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि पार्टी की आर्थिक, सामाजिक और कृषि नीतियां सुस्पष्ट हैं।

# हमारे पास भी बीजेपी और आरएसएस के कार्यकर्ताओं की सीडी: नेता प्रतिपक्ष

### » कांग्रेस विधायक के मामले में गोविंद सिंह ने किया पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**भोपाल। मध्य प्रदेश में इसी साल विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में चुनावी साल के शुरू होते ही राज्य की सियासत में भी गहमागहमी शुरू हो गई है और एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी शुरू हो चुका है। कांग्रेस विधायक सुनील सराफ के हवाई फायरिंग मामले में की जा रही कार्रवाई पर विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष गोविंद सिंह ने भाजपा पर पलटवार किया है।**

नए साल की पार्टी में मैं हूं डॉन गाने पर नाचते हुए कोतमा विधायक सुनील सराफ ने हवाई फायरिंग की थी, जिसका वीडियो वायरल हो गया था। मध्यप्रदेश के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा समेत पार्टी के पदाधिकारी इस मामले में कार्रवाई की बात कह चुके हैं। अब नेता प्रतिपक्ष गोविंद सिंह ने कहा कि आरोप लगाना हमारी संस्कृति नहीं है। वरना हमारे पास भी बीजेपी और आरएसएस कार्यकर्ताओं की सीडी है। उन्होंने विधायक सुनील सराफ का बचाव किया और कहा कि कांग्रेस विधायक ने कोई अपराध नहीं किया है। सीडी मैंने देखी है और रिकॉर्ड में भी रखी है। हम गड़े मुर्दे नहीं उखाड़ेंगे।

# दंगों के बल पर जीतना चाहती है भाजपा: केसीआर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव ने कहा कि बीआरएस पार्टी का गठन एक महान भारत के निर्माण के लिए किया गया है। आंध्र प्रदेश के पूर्व मंत्री रावेला किशोर बाबू, पूर्व आईएएस चंद्रशेखर, पूर्व आईआरएस चिंताला पार्थसारथी और कई अन्य नेताओं के बीआरएस पार्टी में शामिल होने के अवसर पर सीएम केसीआर ने बिना नाम लिए भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि अब देश की राजनीति बदल चुकी है। दूसरे दल धार्मिक दंगों, पैसे के बलपर जातिगत झगड़ों की राजनीति कर रहे हैं और किसी भी कीमत पर चुनाव जीत रहे हैं।**

# सर्दी में बिजली ने दिखाए नखरे, उपभोक्ता हुए परेशान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ। राजधानी में एक ओर जहां सर्दी सितम ढा रही है, वहीं दूसरी ओर आज बिजली भी खूब नखरे दिखा रही है। मंगलवार को बिजली की आंख-मिचौली के चलते उपभोक्ताओं को परेशानी का सामना करना पड़ा।**

गौरतलब है कि राजधानी में 24 घंटे बिजली आपूर्ति का सरकारी फरमान है मगर इसके बावजूद भी विभाग की कटौती से उपभोक्ता परेशान हैं। आज पॉश इलाके गोमतीनगर के अधिकांश क्षेत्रों में सुबह से ही बिजली के लोकल कट ने ठंड में उपभोक्ताओं का पारा गरमा दिया। ट्रांस

गोमती अंतर्गत विकास खण्ड-5 में सुबह से दोपहर तक बिजली ने उपभोक्ताओं को खूब झटके दिये। जिससे लोगों को परेशानी से दो-चार होना पड़ा। हालांकि विभाग की ओर से शहर कटौतीमुक्त होने का दावा किया गया, मगर उसके बाद भी लोकल कट का लगना जारी है। जिसकी सुध विभाग के अधिकारी नहीं ले रहे हैं।

# हिमाचल में मंत्रिमंडल गठन के लिए कांग्रेस में माथापच्ची, जिलों के प्रतिनिधित्व पर फंसा पेंच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**शिमला। नई सरकार के गठन के लिए प्रदेश के बड़े जिलों कांगड़ा और शिमला में पेच फंसा है। कांगड़ा और शिमला ने कांग्रेस को काफी सीटें दी हैं। ऐसे में मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू को यह तय करने में खूब माथापच्ची करनी पड़ रही है कि किसे मंत्री बनाया जाए। जो मंत्री नहीं बन पाएंगे, उनका तुष्टिकरण भी चुनौती होगा। इसके लिए तमाम समीकरण हल किए जा रहे हैं। जातीय, क्षेत्रीय और अन्य तमाम तरह के संतुलन भी साधे जा रहे हैं।**

### जनजातीय मंत्री लिए नेगी और ठाकुर के नाम पर चर्चा

जनजातीय मंत्री बनाने के लिए जगत सिंह नेगी और रवि ठाकुर में पेच फंसा है। जगत सिंह नेगी विधानसभा के उपाध्यक्ष रह चुके हैं और वरिष्ठ विधायक हैं। रवि ठाकुर जनजातीय होने के साथ-साथ बौद्ध अल्पसंख्यक होने की बात कर भी अपनी दावेदारी पेश कर रहे हैं।

सुक्खू ने सोमवार को दिल्ली में भी इस संबंध में हाईकमान से मंत्रणा की है। कांगड़ा और शिमला जिलों ने 40 में से 17 यानी 43 फीसदी सीटें दी हैं। कांगड़ा जिले में पंद्रह में से दस सीटें मिली हैं। यहां से चंद्र कुमार, सुधीर शर्मा, रघुवीर बाली, संजय रतन, आशीष बुटेल मंत्री बनने की दावेदारी में हैं। चंद्र कुमार और सुधीर शर्मा वीरभद्र सरकारों में भी मंत्री रहे हैं। रघुवीर बाली के पिता पूर्व मंत्री जीएस बाली वीरभद्र सरकार में मंत्री रहे हैं और आशीष बुटेल के पिता विधानसभा अध्यक्ष बृज बिहारी लाल बुटेल के बेटे हैं।

जिला शिमला में कांग्रेस को आठ में से सात सीटें मिली हैं। यहां वीरभद्र खेमे को संतुष्ट करने के लिए विक्रमादित्य सिंह का मंत्री बनना तय माना जा रहा है। हालांकि, विक्रमादित्य के अलावा रोहित ठाकुर वरिष्ठता के हिसाब से दूसरे प्रबल दावेदार हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।